पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मुझे लोग एक्टर नहीं समझते -अर्चना

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 44 ■ मंगलवार 21 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

टिटवाला में ड्रग्स का मिला जखीरा

- मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई
- मर्सिडीज, ऑडी और एप्पल के लोगो वाली 5,000 गोलियां
- कीमत 6 करोड़

कल्याण. NESCO के एक कॉन्सर्ट में ड्रग ओवरडोज से दो स्टूडेंट्स की मौत के बाद, मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने टिटवाला में बड़ी कार्रवाई की।

स्क्वाड ने एक एलीट कॉलोनी में रहने वाले एक ड्रग डीलर के घर पर छापा मारकर पार्टी ड्रग एक्स्टसी की करीब पांच हजार गोलियां जब्त कीं। इसकी कीमत 6 करोड़ रुपये से ज्यादा है, और कहा जा रहा है कि यह पहली बार है जब इतनी बड़ी मात्रा में ये गोलियां जब्त की गई हैं।

एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड के इंचार्ज इंस्पेक्टर अनिल ढोले और उनके साथियों ने 15 अप्रैल को साकीनाका में छापा मारकर इरफान अली अंसारी नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास एक्स्टसी की 200 गोलियां मिलीं। जांच के दौरान ए. पॉल और सूफियान नाम की एक महिला का नाम सामने आया, जिन्होंने इरफान को एक्स्टसी की गोलियां पहुंचाई थीं। इसलिए, सूफियान को गिरफ्तार करने के बाद, उससे पूछताछ में पॉल के ठिकाने का पता चलने पर टिटवाला में रेड की गई। टीम को शुरुआती जांच में जानकारी मिली कि जेल में साकीनाका के इरफान और पॉल की पहचान हुई थी। इसकी जांच की जा रही है।

गिरफ्तारी से बचने के लिए सावधानियां

पॉल दो महीने पहले कल्याण से टिटवाला में किराए के मकान में शिफ्ट हुई थी। ड्रग्स बेचने के धंधे में आने के बाद, वह गिरफ्तारी से बचने के लिए ठाणे जिले में किराए के मकानों में रहती थी। वह कुछ समय बाद घर बदल लेती थी। वह भरोसेमंद लोगों को भी एक्स्टसी सप्लाई करती थी।

वनराई पुलिस और एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने पॉल के घर से जो एक्स्टसी पिल्स ज़ब्त कीं, उन पर मर्सिडीज बेंज, ऑडी, एप्पल जैसे कई ब्रांड्स के लोगो के साथ महाराष्ट्र का मैप भी मिला।

बार डांसर से ड्रग डिस्ट्रीब्यूटर तक

पॉल के घर से पीले, नीले, बैंगनी और ग्रे जैसे कई रंगों की एक्स्टसी गोलियों का स्टॉक मिला। इसके साथ ही, चार मोबाइल फोन और सात से आठ सिम कार्ड मिले। शुरुआती जांच में पता चला कि कुछ सालों तक बार डांसर का काम करने वाली पॉल पिछले कुछ सालों में पार्टी ड्रग डिस्ट्रीब्यूटर और सप्लायर बन गई थी।

सभापतियों के चुनाव निर्विरोध

उल्हासनगर महानगर पालिका सभी समितियों सभापतियों की जिलाधिकारी की तरफ से अधिकृत घोषणा

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका की स्टैंडिंग समिति और नौ स्पेशल कमेटियों के चेयरमैन पदों के लिए नॉमिनेशन पेपर फाइल होने के बाद यह साफ हो गया था कि सभी पदों के लिए चुनाव बिना किसी विरोध के होगा। आज इस प्रोसेस पर ऑफिशियल मुहर लग गई और ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल ने महानगर पालिका हॉल में सभी सभापति के नामों की घोषणा की।

उल्हासनगर महानगर पालिका की अलग-अलग कमेटियों के लिए नॉमिनेशन पेपर पांच दिन पहले सेक्रेटरी के ऑफिस में फाइल किए गए थे। चूंकि हर समिति के लिए सिर्फ एक एप्लीकेशन मिली थी, इसलिए यह तय हो गया था कि सभी पदों पर बिना किसी चुनाव के निर्विरोध चुनाव हो जाएगा।

शिवसेना के कॉर्पोरेटर कलवंत सिंह सोहता को स्थायी समिति समिति के सभापति पद के लिए चुना गया है। साई पार्टी की दीप्ति दुधानी को पब्लिक वर्क्स समिति का सभापति, BJP की मीना कोर अजीत सिंह लबाना को प्लानिंग एंड डेवलपमेंट समिति का सभापति, BJP की दीपा नारायण पंजाबी को वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज समिति का सभापति, शिवसेना की सविता तोरणे को हेल्थ स्क्रीनिंग एंड मेडिकल असिस्टेंस समिति का सभापति, शिवसेना की साक्षी सुर्वे को सेकेंडरी एंड प्री-प्राइमरी एजुकेशन समिति का सभापति, BJP के विपुल मयेकर को गलिच्छ वस्ती निर्मूलन समिति का सभापति, BJP की प्रीति विनोद मखीजा को स्पोर्ट्स एंड सोशल वेलफेयर एंड कल्चरल समिति का सभापति, शिवसेना की मीना दीपक सोंडे को विमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर समिति का सभापति, और शिवसेना की प्रेरणा अजीत मखीजानी को रेवेन्यू समिति का सभापति चुना गया।

नवनिर्वाचित समितियों के सभापति

- **कलवंतसिंह (बिट्टू) सोहता** – स्थायी समिति सभापति
- **दीप्ति दुधानी** – सार्वजनिक बांधकाम समिति
- **सविता तोरणे** – स्वस्थ्य परीक्षण व वैद्यकीय सहाय्य समिति
- **साक्षी संदीप सुर्वे** – माध्यमिक शिक्षा व पूर्व प्राथमिक शिक्षण समिति
- **मीना दीपक सोंडे** – महिला व बाल कल्याण समिति
- **प्रेरणा अजीत मखीजानी** – महसूल समिति
- **मिना कौर लबाना** – नियोजन व विकास समिति (टीपीडी)
- **विपुल मयेकर** – गलिच्छ बस्ती समिति
- **दिपा नारायण पंजाबी** – जलापूर्ति व जल निस्सारण समिति
- **प्रीति विनोद माखीजा** – खेल, समाज कल्याण व सांस्कृतिक समिति

सोमवार को ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद, शिवसेना कल्याण जिलाप्रमुख गोपाल लांडगे, पूर्व MLA पप्पू कालानी, MLA बालाजी किणीकर, महापौर अश्विनी निकम, उप महापौर अमर लुंड, ग्रुप लीडर अरुण आशान, राजेश वढारिया ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को बधाई दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में महानगर पालिका के पदाधिकारी और कॉर्पोरेटर मौजूद थे। इस बीच, उम्मीद है कि बिना विरोध के चुनाव होने से महानगर पालिका के कामों में स्थिरता आएगी और आने वाले दिनों में डेवलपमेंट के कामों में तेज़ी आएगी।

एस-3 पार्क में युवती की संदिग्ध मौत का मामला

- युवती के पिता ने पुलिस में की शिकायत
- भाजपा नेता भगवान लोटे पर लगाए गंभीर आरोप

अंबरनाथ. अंबरनाथ के एस 3 पार्क होटल में 10 अप्रैल को मेरी बेटी सिमरन पाटिल ने आत्महत्या नहीं की थी. उसकी नियोजित हत्या की गई है. ऐसा गंभीर आरोप मृतक युवती के पिता उमेश पाटिल ने लगाया है. पाटिल ने आरोप भगवान लोटे के विरोध में पुलिस उपायुक्त, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अंबरनाथ से लिखित में शिकायत की है. राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस जांच में अड़चन आ रही है. ऐसा सनसनीखेज दावा पाटिल ने किया है.

‘मेरी बेटी की हत्या की गई है’

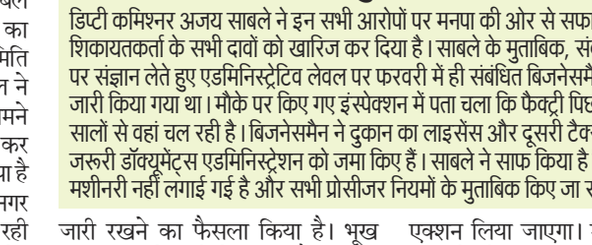

इस घटना की खबर ‘होटल में युवती की हत्या या आत्महत्या’ इस शीर्षक से हमने प्रकाशित की थी.

शिकायत के अनुसार भगवान लोटे विप्रो मैनेजमेंट कन्सल्टेंट कार्यालय का मालिक है और उसी में सिमरन काम किया करती थी. उन्होने ये भी गंभीर आरोप लगाया है कि लोटे कथित अनधिकृत कॉल सेंटर में विदेशी नागरिकों को आनलाइन फंसाता है और हवाला रैकेट में मनी लांड्रिंग का गैरकानूनी कारोबार करता था. जिसकी जानकारी सिमरन को मिली थी. इस अवैध कामों की जानकारी सिमरन को मिलने के बाद भगवान लोटे घबरा गया था कि कहीं ये राज खुल ना जाए. सिमरन ने लोटे के इस अवैध काम के बारे में पूछा भी था. वह मानसिक तनाव में थी और इसी कारण से उसकी लड़की को रास्ते से हटा दिया गया. ऐसा आरोर सिमरन के पिता ने लगाया है.

घटना के दिन आरोपी ने एस 3 पार्क होटल में स्वतः के नाम से रूम बुक करके सिमरन को वहां पर बुलाया. वहां उसका शारीरिक अत्याचार करके उसकी हत्या की गई. उसके बाद सबूत नष्ट करने के लिए उसका मृतदेह पंखे से लटका कर आत्महत्या साबित करने का प्रयास किया गया. ऐसा आरोप शिकायत कर्ता ने किया है. इस प्रकरण को केवल आकस्मिक मौत

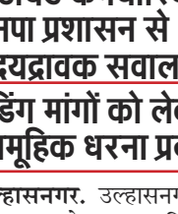

(ADR) दर्ज करके आरोपी को बचाने का प्रयत्न किया जा रहा है. अगर पुलिस में शिकायत की गई तो परिवार को जान से मारने की धमकी आरोपी और उसके रिश्तेदारों की तरफ से दी जाने लगी. ऐसा शिकायत में कहा गया है. उमेश पाटिल ने इस घटना की गहराई से जांच करके भगवान लोटे पर अपराध दर्ज करने की मांग की है.

पाटिल ने पुलिस पर ये भी आरोप लगाया है कि वे पुलिस में शिकायत करने गए, लेकिन शिकायत नहीं लेने पर स्पीड पोस्ट द्वारा ये शिकायत करनी पड़ी है. ऐसा पाटिल ने खुलासा किया है.

इस संदर्भ में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस घटना की जांच शुरू है, जो कोई दोषी होगी, उस पर कार्रवाई की जाएगी.

डोंबिवली में लोकल कोच पटरी से उतरा

- रश आवर में ट्रैफिक रुका

कल्याण. कलवा कार शेड से कल्याण जा रही लोकल ट्रेन का एक कोच डोंबिवली स्टेशन पर पटरी से उतर गया। रश आवर में हुई इस घटना से लोकल सर्विस पर असर पड़ा है। खुशकिस्मती से, कोई हादसा नहीं हुआ क्योंकि लोकल ट्रेन खाली थी। हालांकि, लोकल कोच के पटरी से उतरने से लोकल ट्रैफिक पर असर पड़ा है। डोंबिवली और कल्याण रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर की भीड़ रही.

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, लोकल ट्रेन कलवा कार शेड से निकलकर कल्याण की ओर जा रही थी। डोंबिवली स्टेशन आते समय ट्रेन का एक कोच अचानक पटरी से उतर गया। यह घटना रश आवर में हुई, जिससे पैसेंजर को काफी परेशानी हुई।

लोकल कोच के पटरी से उतरने से सेंट्रल रेलवे का कल्याण और मुंबई की ओर जाने वाला ट्रैफिक रुक गया. डोंबिवली और कल्याण स्टेशन पर पैसेंजर की भारी भीड़ देखी गई. इससे रश आवर में ऑफिस जाने वाले एम्प्लॉई और स्टूडेंट पर असर पड़ा।

पनवेल रेलवे स्टेशन में लिफ्ट गिरी

पनवेल रेलवे स्टेशन पर एक लिफ्ट गिर गई। प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर हुई इस घटना से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि इस लिफ्ट में 4 यात्री भी फंस गए थे। इससे लिफ्ट के टेक्निकल मेंटेनेंस पर सवाल उठ रहे हैं।

गुटखा और तंबाकू स्टॉक पर कार्रवाई

उल्हासनगर. फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने शहर में बैन गुटखा और तंबाकू प्रोडक्ट्स के गैर-कानूनी स्टॉक के खिलाफ कार्रवाई की। इसमें करीब पांच लाख रुपये का सामान जब्त किया गया। शहाड़ फाटक इलाके में एक गोदाम पर छापेमारी में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य फरार हैं।

ठाणे फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने शहाड़ फाटक इलाके में छापेमारी कर करीब 5 लाख 5 हजार रुपये का बैन गुटखा, पान मसाला और तंबाकू प्रोडक्ट्स का स्टॉक जब्त किया। यह कार्रवाई फूड सेफ्टी ऑफिसर रंजीत माने को मिली जानकारी के आधार पर की गई। पता चला कि अरबाज ताशीर खान, लोकेश बजाज और मनीष यादव उस जगह पर गैर-कानूनी तरीके से गुटखा और पान मसाला बेच रहे थे। टीम ने रेड करके बड़ी मात्रा में स्टॉक ज़ब्त कर लिया। अरबाज खान को भी हिरासत में ले लिया गया। बाकी दो आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

मनपा के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका के सहायक आयुक्त अजय साबले पर एक गैर-कानूनी फैक्ट्री को बचाने का आरोप लगाते हुए, हिंदू जोड़ो यात्रा समिति के नेशनल प्रेसिडेंट अनिल जायसवाल ने शुक्रवार से मनपा मुख्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। जायसवाल ने गंभीर आरोप लगाया है कि असिस्टेंट कमिश्नर साबले ने शांतिनगर में पारस इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स में चल रही क्रेलिक फोटो फ्रेम फैक्ट्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि उसके पास ट्रेड लाइसेंस, फायर NOC या पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से कोई परमिशन नहीं थी। सीनियर अधिकारियों के बार-बार लिखित आदेश के बावजूद, साबले ने जानबूझकर फाइल दबा दी और शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि ऐसा सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए हुआ।

उन्होंने इस बहुत भ्रष्ट अधिकारी को नौकरी से निकाले जाने तक भूख हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। भूख हड़ताल करने वाले के साथ मौजूद कुछ नागरिकों ने आरोप लगाया है कि साबले कथित तौर पर फेरीवालों से रिश्वत भी ले रहे हैं। दूसरी ओर, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मार्केट लाइसेंसिंग डिपार्टमेंट के हेड विनोद केने ने एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट को लिखे जवाब में साफ किया है कि ऐक्रेलिक प्लास्टिक फैक्ट्री को बिजनेस लाइसेंस और मार्केट लाइसेंस नहीं दिया गया है, और उन्होंने कहा है कि इस फैक्ट्री के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। मार्केट लाइसेंसिंग डिपार्टमेंट के इस साफ करने से कन्फ्यूजन हो गया है कि अजय साबले सच बोल रहे हैं या विनोद केने। इस बीच, आरोप है कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की डिप्टी कमिश्नर विशाखा मोटघरे और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट की हेड विशाखा सावंत ने अजय साबले को कई बार लिखकर फैक्ट्री के खिलाफ एक्शन लेने के ऑर्डर दिए, फिर भी उन्होंने फैक्ट्री के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया।

सभी प्रक्रियाएं नियमों के मुताबिक हैं -साबले

डिप्टी कमिश्नर अजय साबले ने इन सभी आरोपों पर मनपा की ओर से सफाई दी है और शिकायतकर्ता के सभी दावों को खारिज कर दिया है। साबले के मुताबिक, संबंधित शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर फरवरी में ही संबंधित बिजनेसमैन को नोटिस जारी किया गया था। मौके पर किए गए इंस्पेक्शन में पता चला कि फैक्ट्री पिछले 20 से 25 सालों से वहां चल रही है। बिजनेसमैन ने दुकान का लाइसेंस और दूसरी टैक्स रसीदें जैसे जरूरी डॉक्यूमेंट्स एडमिनिस्ट्रेशन को जमा किए हैं। साबले ने साफ किया है कि वहां कोई नई मशीनरी नहीं लगाई गई है और सभी प्रोसीजर नियमों के मुताबिक किए जा रहे हैं।

क्या मरने से पहले हमें हमारा बकाया पैसा मिलेगा?

- रिटायर्ड कर्मचारियों का मनपा प्रशासन से हृदयद्रावक सवाल
- पेंडिंग मांगों को लेकर सामूहिक धरना प्रदर्शन

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा सेवा से 2016 से अब तक रिटायर हुए सभी कर्मचारियों ने सभी रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंडिंग मांगों और मनपा प्रशासन की मनमानी के विरोध में उल्हासनगर मनपा रिटायर्ड कर्मचारी संघ (प्लान्ड) के नेतृत्व में सोमवार को मनपा मुख्यालय के सामने एक दिन का सामूहिक धरना प्रदर्शन किया।

उल्हासनगर मनपा के सैकड़ों रिटायर्ड कर्मचारियों ने सातवें वेतन आयोग के अनुसार मिलने वाली बकाया रिटायरमेंट ग्रेच्युटी और लीव रिटेंशन

राशि का एकमुश्त भुगतान करने की पुरजोर मांग की है। उन्होंने प्रशासन से न्याय की मांग करते हुए सवाल किया है कि क्या मरने से पहले उन्हें उनका बकाया पैसा मिलेगा। महाराष्ट्र सरकार ने बख्शी कमेटी की सिफारिशों के मुताबिक 1 जनवरी 2016 से सातवां पे कमीशन लागू करने का फैसला किया था। जनवरी 2019 से रिवाइज्ड सैलरी कैश में देने का भी आदेश दिया गया था। हालांकि, कर्मचारियों का आरोप है कि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में असल में इसे फरवरी 2023 से लागू करना शुरू किया गया।

जनवरी 2016 से दिसंबर 2018 तक का एरियर पांच साल में पांच बराबर किश्तों में देने के फैसले के बावजूद, म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन ने इसका पूरी तरह से पालन नहीं किया है। कर्मचारियों का आरोप है कि। इसके उलट, फरवरी 2023 से हर महीने सिर्फ 2,000 रुपये या कुल एरियर का 1% ही दिया गया है, जिससे कर्मचारियों में बहुत नाराजगी है। खास बात यह है कि 2016 से 2020 के बीच रिटायर हुए कर्मचारियों को अब तक सिर्फ 30% रकम मिली है और बाकी 70% अभी भी पेंडिंग है। इसके साथ ही, कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि रिटायरमेंट ग्रेच्युटी और कैश-इन अमाउंट का पेमेंट भी छठे पे कमीशन के हिसाब से किया गया है। वहीं, 2021 के बाद रिटायर हुए कर्मचारियों ने भेदभाव महसूस किया है क्योंकि उन्हें सातवें पे कमीशन के हिसाब से पूरा अमाउंट मिला है। कई रिटायर्ड कर्मचारी, जो सत्तर साल की उम्र तक पहुँच चुके हैं और अलग-अलग बीमारियों से जूझ रहे हैं, उन्हें पैसे की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और सभी रिटायर्ड कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि उन्हें मिलने वाला लाखों रुपये का एरियर एक साथ दिया जाए।

ड्रग डीलरों को बिना टिकट अंदर आने दिया गया

- NESCO ड्रग्स केस
- सिक्योरिटी एजेंसी से पूछताछ होगी

मुंबई. वनराई पुलिस ने शनिवार को दावा किया कि कॉलेज स्टूडेंट्स के एक गैंग के साथ ऑर्गनाइज़र मिले हुए थे, जो गोरेगांव में NESCO कॉन्सर्ट में सीधे हिस्सा लेकर खुलेआम एक्स्टसी, एक पार्टी ड्रग बेच रहे थे। पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि इस गैंग ने बिना टिकट के कॉन्सर्ट में हिस्सा लिया था।

एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, NESCO और नागपुर की इंस्पायरिंग टाई कंपनी ने '9 बाय 9 टेक्नो म्यूजिक' कॉन्सर्ट ऑर्गनाइज़ किया था और सिक्योरिटी की ज़िम्मेदारी सिक्योरिटी गार्ड देने वाली एजेंसी सेफक्योर को सौंपी गई थी। जांच में पता चला है कि एजेंसी के एक सिक्योरिटी गार्ड ने हर एक से 1,000 से 2,000 रुपये लिए और गिरफ्तार आरोपी विनीत गेरेवाल, आयुष साहित्य और उनके दूसरे साथियों को मेन एंट्रेंस को बाइपास करके गेट नंबर नौ से बिना टिकट अंदर आने दिया।

उस सिक्योरिटी गार्ड की तलाश जारी है जिसने गैंग को गैर-कानूनी तरीके से अंदर आने दिया। पुलिस को शक है कि ऑर्गनाइज़र के कहने पर ही गैंग को अंदर आने दिया गया होगा। इसी आधार पर, गिरफ्तार ऑर्गनाइज़र आकाश सामल (इंस्पायरिंग टाई), सनी जैन और बालकृष्णन कुरुप (NESCO) से पूछताछ की गई। तब उन्होंने गोलमोल जवाब दिए। इसलिए, सेफक्योर कंपनी के मैनेजर से पूछताछ की जाएगी और इसके ज़रिए ऑर्गनाइज़र और ड्रग पेडलर गैंग की मिलीभगत की जांच की जाएगी, अधिकारी ने बताया।

मुख्य आरोपी पोलादपुर से गिरफ्तार

एक कॉन्सर्ट में पार्टी ड्रग्स बेचने और ओवरडोज़ से दो स्टूडेंट्स की मौत के मामले के मुख्य आरोपी आयुष साहित्य को वनराई पुलिस ने शुक्रवार रात रायगढ़ जिले के पोलादपुर से गिरफ्तार किया। कहा जा रहा था कि वह गोवा भागने की प्लानिंग कर रहा था। आयुष पर आरोप है कि वह पार्टी ड्रग एक्स्टसी का मुख्य सोर्स था, जो कॉन्सर्ट में शामिल साउथ मुंबई के एक MBA कॉलेज के स्टूडेंट्स और दूसरों के हाथ लगी।

आरोपी के घर से स्टॉक ज़ब्त

पुलिस ने आरोपी आनंद पटेल और विनीत गेरेवाल के घर की तलाशी ली। फिर, उल्हासनगर में विनीत के घर से 305 ग्राम वज़न की पांच एक्स्टसी टैबलेट मिलीं। स्टॉक का वज़न 305 ग्राम है और इसकी कीमत लगभग 20,000 रुपये है। पीली रेक्टेंगुलर टैबलेट पर मर्सिडीज़ का लोगो बना हुआ मिला।

मुंब्रा में संदल जुलूस के दौरान बड़ा हादसा

- डांस कर रहे लोगों पर गिरा DJ
- 7-8 लोग गंभीर रूप से घायल

मुंब्रा. मुंब्रा में एक डीजे डांस कर रहे लोगों पर गिर गया। इस हादसे में 7-8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ठाणे जिले के मुंब्रा स्थित अमृत नगर इलाके में हुआ। यहां ख्वाजा फखरुद्दीन शाह बाबा के संदल जुलूस के दौरान कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, जुलूस के दौरान तेज डीजे और आतिशबाजी चल रही थी, तभी अचानक डीजे पर अत्यधिक भार पड़ने से वह संतुलन खो बैठा और उसके साथ मौजूद 7 से 8 लोग नीचे गिर पड़े।

इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ख्वाजा फखरुद्दीन शाह बाबा के उर्स के दौरान मुंब्रा शहर में वर्षों से संदल जुलूस निकालने की परंपरा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। बताया जा रहा है कि पहले भी इस तरह के आयोजनों को लेकर मुंब्रा पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

राख के नीचे सुलगती चिंगारी

मणिपुर में कुछ दिनों तक हालात थोड़े सामान्य रहने के बाद हिंसा की घटनाएं फिर से अपने पांव पसारने लगी हैं। सरकार का दावा है कि इसके पीछे असामाजिक तत्त्वों की भूमिका ज्यादा है, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि राज्य के लोगों में असंतोष की वजह से विरोध प्रदर्शनों का दौर लौटने लगा है, जो सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है। इंफाल पश्चिम जिले में बीते शुक्रवार को हजारों लोगों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए मशाल रैली निकाली और इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी हिंसक झड़पें भी हुईं।

स्थानीय लोग हाल में एक घर पर बम से हुए हमले में दो बच्चों की मौत की घटना का विरोध कर रहे थे। सवाल है कि क्या सुरक्षा एजेंसियां राज्य में स्थिति की संवेदनशीलता को जानते हुए भी अपना काम ठीक से नहीं कर रही हैं? अगर ऐसा नहीं है, तो फिर आम लोगों में शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश क्यों पैदा हो रहा है!

गौरतलब है कि मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सात अप्रैल को एक घर पर बम से हमला किया गया था, जिसमें दो मासूम बच्चों की जान चली गई थी। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई थी। लोग इन बच्चों की हत्या के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी जांच-पड़ताल की प्रक्रिया को तेज करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करें।

यह विचित्र है कि जब सरकार खुद इस बात को स्वीकार कर रही है कि राज्य के कई हिस्सों में हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं, तो फिर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से किसी भी अप्रिय घटना के बाद संवेदनशीलता क्यों नजर नहीं आती! राज्य में हिंसा की बढ़ती घटनाओं से स्पष्ट है कि हालात राख के नीचे छिपी चिंगारी जैसे हैं, जो मौका मिलते ही आग का रूप ले लेती है। इसलिए सरकार और सुरक्षाबलों को ईमानदार, खुले एवं निष्पक्ष जन संवाद को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि कानून पर लोगों का भरोसा कायम रहे।

विमर्श

विकास की ओर माओवाद मुक्त क्षेत्र

भारतीय इतिहास में 31 मार्च, 2026 का दिन सशस्त्र माओवाद के खात्मे के रूप में दर्ज हो चुका है। इस दिन देश ने माओवादी आतंक के विरुद्ध निर्णायक सफलता हासिल की। यह लोकतंत्र, सुशासन और विकास के उस व्यापक सोच की विजय है, जिसने वर्षों से हिंसा से जूझ रहे बस्तर को एक नई दशा और दिशा दी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक स्पष्ट नीति और दृढ़ नेतृत्व को श्रेय जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने माओवाद के प्रति "शून्य सहनशीलता" और "विकास आधारित समाधान" की नीति अपनाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न केवल रणनीतिक स्तर पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया, बल्कि कई बार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर जवानों और स्थानीय लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस पूरे अभियान में हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और बस्तर की जनता के सहयोग ने इस लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई।

सरकार की रणनीति का महत्वपूर्ण पहलू संवाद और पुनर्वास रहा है। यह संदेश दिया गया कि जो लोग हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में आना चाहते हैं, उनके लिए सरकार के द्वार खुले हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव यह रहा कि बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन अपनाया। ऐसे लोग जो केवल हिंसा की भाषा समझते थे, उनके विरुद्ध सुरक्षा बलों ने सख्त कार्रवाई भी की। सुधाकर, बसवराजू जैसे शीर्ष माओवादी नेतृत्व को न्यूट्रलाइज करने से माओवादी आतंक की कमर टूट

गई। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री जी द्वारा कार्ययोजना बनाकर माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया। सड़क, बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं उन क्षेत्रों तक पहुंचीं, जहां कभी शासन की उपस्थिति नहीं थी। पिछले ढाई साल में डबल इंजन की सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को माओवाद प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सुरक्षा कैंपों के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 525 गांवों में "नियद नेल्ला नार" योजना के अंतर्गत 17 विभागों के माध्यम से 25 हितग्राही मूलक और 18 सामुदायिक योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास के लिए बनी प्रभावी नीति ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर दिया है। जो लोग बंदूक छोड़कर मुख्यधारा में लौटे हैं, उन्हें आर्थिक सहायता, आवास, भूमि, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित माओवादियों और माओवाद प्रभावित परिवारों के लिए 15 हजार प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति माओवाद विरोधी अभियान के मानवीय पक्ष का बेहतरीन उदाहरण है। आज बस्तर में सांस्कृतिक पुनर्जागरण को दुनिया देख रही है। बस्तर ओलिंपिक और बस्तर पंडुम ने बस्तर अंचल को एक नई पहचान दी है। इसमें लाखों की संख्या में लोगों की भागीदारी ने जनजातीय संस्कृति को एकसूत्र में पिरोया है।

माओवादी हिंसा की वजह से सड़क नेटवर्क के विस्तार को सबसे ज्यादा क्षति पहुंची थी। अब हम सर्वोच्च प्राथमिकता से सड़क नेटवर्क की बेहतरी पर काम करेंगे। रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे, जगदलपुर-रावघाट रेलमार्ग और हवाई सेवाओं के विस्तार से बस्तर देश की मुख्यधारा से जुड़ेगा। यह कनेक्टिविटी न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी पैदा करेगी। स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी और गीदम में मेडिकल कालेज जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। नए बजट में सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र को भी सशक्त किया जा रहा है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। बस्तर अंचल के युवाओं और आत्मसमर्पित माओवादियों को रोजगार-व्यवसाय का प्रशिक्षण देने के लिए सभी विकासखंडों में कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित कर रहे हैं, जहां एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार-व्यवसाय के विभिन्न ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

जीवंत मानव एकता की शुरुआत होती है अपने दिलों से शत्रुता मिटाने से।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सियासत के फेर में फंसा महिला आरक्षण का हक

इसमें कोई दोराय नहीं कि विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए सरकार और सभी विपक्षी दलों को एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए। मगर यही मुद्दा जब राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बनने लगता है, तब इस पर सवाल उठने लगते हैं। बीते हफ्ते सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संशोधन विधेयक पेश किया, लेकिन जरूरी समर्थन न मिल पाने की वजह से वह लोकसभा में गिर गया।

गौरतलब है कि किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। हालांकि इस बार परिसीमन विधेयक में संशोधन के लिए जिस तरह महिला आरक्षण का मसला भी जुड़ा हुआ था, उसमें इस मुद्दे पर दो-तिहाई सांसदों को अपने पक्ष में खड़ा कर पाना सरकार के लिए मुश्किल था। यानी पहले ही यह माना जा रहा था कि लोकसभा में संशोधन विधेयक पारित कराना मुमकिन नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद यह विचित्र है कि सरकार ने इस पर जोर-आजमाइश करने की कोशिश की। दरअसल, इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, 2026 से पहले की जनगणना के आधार पर राज्यों में सीटों के परिसीमन की इजाजत दी जाएगी और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ा कर 850 की जाएगी। मगर चूंकि परिसीमन के साथ उलझे इस मुद्दे पर सरकार को जरूरी संख्या बल का समर्थन नहीं मिल सका, इसलिए अब भाजपा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान यह आरोप लगाने की कोशिश कर सकती है कि विपक्षी पार्टियां महिलाओं को भागीदारी देने का समर्थन नहीं करतीं।

सवाल है कि महिलाओं की विधायिका में आरक्षण से संबंधित जो विधेयक वर्ष 2023 में ही पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका था, उसे फिर से तब क्यों लाया गया, जब कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। यह बेवजह नहीं है कि इस संशोधन विधेयक को लाए जाने के समय को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

ऐसा लगता है कि इस विधेयक की जटिलता और उसके पारित होने के सामने खड़ी चुनौतियों की तस्वीर चूंकि लगभग साफ थी, इसलिए इसे राज्यों में जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच महिलाओं का समर्थन हासिल करने वाले एक अहम मुद्दे के रूप में भी देखा गया। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन में भी यह साफ दिखा, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े इस संशोधन विधेयक के पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार बताया।

मगर विधेयक में जिस तरह सरकार ने आरक्षण व्यवस्था को नए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के ढांचे से जोड़ कर पेश किया था, उसमें वह किस तरह के समर्थन की उम्मीद कर रही थी। महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ-साथ खासतौर पर परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों की जैसी प्रतिक्रिया थी, उसमें विपक्षी दलों के समर्थन या विरोध की तस्वीर एक तरह से पहले से साफ थी। अफसोस की बात है कि जहां विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की कवायद पर सबकी सहमति होनी चाहिए थी, वहीं यह सवालों के घेरे में उलझ कर रह गई। जबकि जरूरत इस बात की है कि इस मामले को राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने की कोशिश हो।

दुनिया की इकलौता 'देश' जहां कोई जमीन नहीं!

जरा हट के

क्या आपने कभी ऐसे लोगों के बारे में सुना है जिनकी जिंदगी का धरती से लगभग कोई रिश्ता नहीं होता? न पक्के घर, न तय सीमाएं और न ही किसी एक देश की नागरिकता हम बात कर रहे हैं 'बजाऊ' समुदाय की, जिन्हें दुनिया के आखिरी असली समुद्री खानाबदोशों में गिना जाता है.

इनकी पूरी जिंदगी समंदर के इर्द-गिर्द घूमती है. जन्म से लेकर जीवन का हर पड़ाव पानी पर ही गुजरता है. इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग बिना किसी ऑक्सीजन सिलेंडर या आधुनिक डाइविंग उपकरण के समुद्र की गहराइयों में बड़ी सहजता से तैरते नजर आते हैं.

यह कोई आम लोग नहीं, बल्कि बजाऊ जनजाति के सदस्य हैं, जो इंडोनेशिया और मलेशिया के बीच फैले समुद्री इलाकों में रहते हैं. इनके घर लकड़ी से बने होते हैं, जो पानी

के ऊपर खंभों पर टिके होते हैं, या फिर ये लोग नावों पर ही अपना पूरा जीवन बिता देते हैं.

इस समुदाय की सबसे अनोखी बात यह है कि इनका किसी एक देश से स्थायी जुड़ाव नहीं होता है. कई बजाऊ परिवार पीढ़ियों से समुद्र में ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं. बच्चों का जन्म भी अक्सर नावों पर ही होता है और बचपन से ही उन्हें समुद्र में रहने और जीविका चलाने के तरीके सिखा दिए जाते हैं. मछली पकड़ना और गोताखोरी इनके जीवन का अहम हिस्सा है.

बजाऊ लोगों की शारीरिक क्षमताएं भी बेहद खास मानी जाती हैं. ये लोग बिना किसी ऑक्सीजन सपोर्ट के करीब 30 मीटर (लगभग 100 फीट) या उससे ज्यादा गहराई तक गोता लगा सकते हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि पीढ़ियों से पानी में रहने के कारण इनके शरीर में कुछ प्राकृतिक बदलाव हो गए हैं. उनकी आंखें पानी के भीतर भी साफ देख सकती हैं, जबकि आम इंसानों को वहां धुंधला नजर आता है.

एक और हैरान करने वाली बात यह है कि गहरे पानी के दबाव से बचने के लिए कई बजाऊ लोग बचपन में ही अपने कान के पर्दे जानबूझकर खराब कर लेते हैं. यह सुनने में जितना खतरनाक लगता है, उतना ही दर्दनाक भी है, लेकिन इससे उन्हें गहराई में गोता लगाने में आसानी होती है.

प्रुदीना आलू करी

खाना-खजाना

आलू की सब्जी हर घर में बनने वाली सबसे आम सब्जी है। यह कई लोगों की पसंदीदा सब्जी होती है। हालांकि, रोजाना एक ही तरह की सब्जी खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आप भी एक ही तरह की सब्जी खाकर बोर हो चुके हैं, तो इस बार टेस्टी आलू करी ट्राई कर सकते हैं।

सामग्री :

- 4 मीडियम साइज के आलू (टुकड़ों में कटे)
- 1 कप ताजी कटी हुई पुदीने की पत्तियां
- 1 बड़ा बारीक कटा प्याज
- 2 मैश किए हुए टमाटर
- 2-3 कटी हुई हरी मिर्च
- 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- 1 चम्मच जीरा
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- 1 चम्मच हल्दी पाउडर
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- 1 चम्मच गरम मसाला
- 1/2 चम्मच धनिया पाउडर
- नमक स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले मध्यम आंच पर एक बड़े पैन में तेल गर्म करें। फिर जीरा और राई डालकर उन्हें फूटने दें। अब इसमें कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा भूरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और कटी हुई हरी मिर्च डालें। इसे तब तक भूनें जब तक कच्ची गंध गायब न हो जाए।

फिर टमाटर की प्यूरी, मसाला पाउडर और नमक डालें। मसाले को तब तक पकाएं जब तक कि उसमें से तेल अलग न होने लगे। अब आलू डालकर मसाले में अच्छे से पकने दें और फिर इसे लगभग 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद आलू को ढकने के लिए पर्याप्त पानी डालें और मिश्रण को उबाल लें। आंच को कम करें, ढक दें और इसे आलू के नरम होने तक (लगभग 10-12 मिनट) पकने दें। अब पुदीने की पत्तियां और गरम मसाला डालें और इसे 2-3 मिनट तक पकने दें। गर्म - गर्म परोसें।

आंखों पर स्क्रीन लाइट का कहर यूं हो जाएगा बेअसर

ज के जमाने में शायद ही कोई ऐसा हो जो इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का इस्तेमाल न करता हो. मोबाइल, कंप्यूटर, लेपटॉप, टैब लगभग हर व्यक्ति के हाथों में होता है. लेकिन इन इलेक्ट्रोनिक उपकरणों से ब्लू लाइट निकलता है. स्क्रीन से निकलने वाली लाइट आंखों के लिए बेहद खराब होती है. दरअसल, ब्लू लाइट में सबसे छोटा वेवलैंग्थ होता है लेकिन सबसे अधिक एनर्जी होती है. ब्लू लाइट निकलने से आंखों पर 380 से 500 नैनोमीटर की रेंज में वाइब्रेट होता है. इससे समझ सकते हैं कि आंखों के पूरे सिस्टम को यह किस तरह से हिला देता होगा. लेकिन मजबूरी यह है कि अगर आप मोबाइल का कम इस्तेमाल

करें तो भी कंप्यूटर पर तो काम करना ही होगा. शुरुआत में बेशक इस लाइट का इतना असर न हो लेकिन 30 साल की उम्र के बाद स्क्रीन लाइट का कहर आंखों पर ज्यादा होने लगता है और इससे आंखों में पानी और धुंधलाहट बढ़ जाती है. इस स्क्रीन लाइट के कहर को किस तरह कम करें, इस विषय पर श्राफ आई अस्पताल, नई दिल्ली में स्पेशलिस्ट डॉ. ऋचा प्यारे से बात की.

क्या होता है असर

डॉ. ऋचा प्यारे ने बताया कि जब आप मोबाइल या स्क्रीन पर ब्लू लाइट के संपर्क में दो घंटे से ज्यादा रहेंगे तो इससे आंखों पर गहरा असर होगा. मोबाइल से निकली तेज रोशनी हमारी आंखों में ज्यादा ड्राईनेस लाती है. यह टियर ग्लैंड को प्रभावित करता है. आंखों में ज्यादा ड्राईनेस के कारण आंखों के अंदर ज्यादा पानी बनने लगता है और यह पानी आंखों से बाहर आता रहता है. कुछ मामलों में टियर ग्लैंड भी ब्लॉक हो जाता है. अगर स्क्रीन को एक्सपोजर लगातार हो रहा है तो यह क्रोनिक परेशानियां बन जाती है और आंखों से धुंधलाहट आने लगती है. इससे रेटिना भी क्षतिग्रस्त होने लगता है. इसके बाद हमेशा थकान और कमजोरी भी महसूस हो सकती है.

क्या 20-20-20 का फॉर्मूला

जिंदगी है तो काम करना भी जरूरी है. काम करना है तो कंप्यूटर का इस्तेमाल भी होगा. इसलिए डॉ ऋचा प्यारे ने बताया कि सबसे पहले नियमित रूप से एक्सरसाइज और हेल्दी डाइट लें. हरी पत्तीदार सब्जियां और ताजे फल का रोजाना सेवन करें. ज्यादा से ज्यादा प्लांट बेस्ड डाइट का सेवन करें. इन सबके अलावा कंप्यूटर पर काम करते हुए सुरक्षात्मक चश्मा लगाएं और 20-20-20 का रूल फॉलो करें. डॉ. ऋचा प्यारे ने बताया कि इसमें प्रति 20 मिनट स्क्रीन अगर काम करते हैं तो इसके तुरंत बाद आप 20 सेकेंड के लिए अपनी आंखों की नजरों को स्क्रीन से हटा दें और 20 मीटर की दूरी तक कुछ भी देखें. अगर आप हरियाली देख रहे हैं तो सबसे बेहतर है. 20 मीटर की दूरी को 20 सेकेंड तक देखते रहें. यानी 20 मिनट काम करें फिर 20 मीटर की दूरी को 20 सेकेंड तक देखें फिर काम शुरू कर दें. ऐसा ही करते रहें. आंखों को समय-समय पर आराम दें.

आज का राशिफल

मेष : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ : शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

मिथुन : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क : कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह : कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा।

कन्या : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा।

तुला : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे। सकारात्मक सोच बनेगी।

वृश्चिक : बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

मकर : बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी। किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा।

कुंभ : मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें।

मीन : मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

किस उम्र से बच्चों की आंखें करवानी चाहिए टेस्ट?

सही एज में आई चेकअप क्यों है जरूरी?

आज के जमाने में बच्चों को भी आंखों से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं. 3 से 4 साल की उम्र में ही कई बच्चों की आंखों पर चश्मा लग जाता है और इससे बच्चे परेशान होने लगते हैं. कई बार पैरेंट्स को पता ही नहीं चलता है कि उनके बच्चे की नजर कमजोर हो गई है. इसका असर उनकी पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी पर बुरी तरह पड़ता है. आजकल मोबाइल, टीवी और स्क्रीन का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों की आंखों पर असर डाल रहा है. ऐसे में सवाल उठता है कि बच्चों की आंखों का टेस्ट किस उम्र से कराना चाहिए और यह क्यों जरूरी है. इस बारे में डॉक्टर से जरूरी बातें जान लेते हैं.

नई दिल्ली के विजन आई सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर और रिफ्रेक्टिव सर्जन डॉ. तुषार ग्रोवर ने बताया नवजात शिशु की आंखों की पहली जांच जन्म के तुरंत बाद ही कर ली जाती है, ताकि किसी जन्मजात समस्या का पता लगाया जा सके. इसके बाद 6 महीने से 1 साल की उम्र के बीच बच्चों की आंखों का एक बेसिक चेकअप करवाना चाहिए. इस उम्र में डॉक्टर यह देखते हैं कि बच्चा चीजों को

सही तरीके से देख और पहचान पा रहा है या नहीं. अगर इस चरण में कोई समस्या मिलती है, तो समय रहते इलाज शुरू किया जा सकता है. कई बच्चों में आंखों से जुड़ी जन्मजात समस्याएं भी होती हैं.

डॉक्टर ग्रोवर ने बताया कि 3 से 5 साल की उम्र को बच्चों की आंखों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है. इस दौरान उनकी विजन डेवलपमेंट तेजी से होती है. इसलिए इस उम्र में नियमित रूप से आई टेस्ट कराना जरूरी है. अगर इस समय नजर की कमजोरी, भेंगापन या अन्य समस्या पकड़ में आ जाए, तो उसे आसानी से ठीक किया जा सकता है. 5 साल के बाद हर 1 से 2 साल में बच्चों की आंखों की जांच करानी चाहिए. अगर बच्चा बार-बार आंखें मलता है, टीवी के पास बैठता है, सिरदर्द की शिकायत करता है या पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पाता, तो ये संकेत हैं कि उसकी नजर कमजोर हो रही है और तुरंत जांच की जरूरत है.

एक्सपर्ट के मुताबिक समय पर आंखों की जांच न कराने से मायोपिया या एंब्लायोपिया जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं. इनका इलाज शुरुआती उम्र में आसान होता है, लेकिन देर होने पर यह स्थायी भी हो सकती हैं. बच्चों की आंखों की जांच सही उम्र में कराना उनकी अच्छी दृष्टि और बेहतर भविष्य के लिए बेहद जरूरी है. नियमित आई चेकअप से न सिर्फ आंखों की समस्याओं को रोका जा सकता है, बल्कि बच्चे की पढ़ाई और विकास पर भी सकारात्मक असर पड़ता है.

5 ट्रिक्स से करें खट्टे-मीठे आम की पहचान

गर्मी आते ही बाजार में तरह-तरह के आम दिखने लगते हैं. कुछ लोग तो गर्मी के मौसम का इंतजार ही इसलिए करते हैं कि उन्हें मीठे आम खाने का मौका मिले. इन दिनों दशहरी, हिमसागर, तोतापुरी, लंगड़ा, सफेदा जैसे कई आम बाजार में दिख रहे हैं. इन्हें लोग बहुत पसंद भी करते हैं. आमों की इतनी वेरायटी देखकर मुंह में पानी आना तो स्वाभाविक है लेकिन मुश्किल तब होती है, जब मीठे आम की बजाय लोग खट्टे और स्वादरहित आम बाजार से घर खरीदकर ले आते हैं. ऐसे में अगर इन्हें खरीदते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखें तो हमेशा मीठे आम ही घर आएगा. आइए जानते हैं कि आप मीठे आमों को किस तरह चुन सकते हैं.

मीठे आम चुनने का सही तरीका

-जब भी आम खरीदें, इन्हें अच्छी तरह छूकर देखें. अगर ये बिल्कुल टाइट है यानी कि ये पके हुए नहीं हैं और अगर इनका स्किन छूने से मुलायम लग रहा है और दबाने से धंस जाता है यानी कि ये मीठे हैं.

– जब भी आम खरीदें तो इसे सूंघकर जरूर देखें. अगर इनसे केमिकल या दवा जैसा स्मेल आए तो समझ जाएं कि ये रसायन से पकाए गए हैं. ऐसे आम स्वादिष्ट नहीं होते.

-आमों की डंडी वाली जगह पर एक बार अच्छी तरह सूंघकर देखें. अगर यहां से मीठी खुशबू आ रही है यानी कि ये पका हुआ और मीठा है. इस बात का भी ध्यान रखें कि आम दबे हुए ना हों. अगर आम दबा हुआ है यानी ये सड़ा हुआ हो सकता है.

-अगर आम सिकुड़े हुए मुरझाए हुए हों तो भी इन्हें ना खरीदें. ऐसे आम बासी और पुराने होंगे. इनके स्वाद में मिठास नहीं होता. हालांकि अगर आप अतोल्फो आम खरीद रहे हैं तो ये पकने के बाद झुर्रीदार हो जाते हैं और छूने पर मुलायम रहते हैं.

-आप आम की प्रजाति जानकर ही इन्हें खरीदें. मसलन फ्रांसिस आम जब पक जाते हैं तो भी ये हरे रंग के ही होते हैं. इन बातों का ध्यान में रखकर आप हर बार मीठे आम घर ला सकेंगे.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

घरेलू विवाद में बड़े भाई ने छोटे को मार डाला

महराजगंज. महराजगंज जिले के घुघली थाना क्षेत्र के ग्राम चौमुखा नौका टोला में सोमवार को एक मामूली घरेलू विवाद ने दिल दहला देने वाली वारदात का रूप ले लिया। बड़े भाई ने अपने ही सगे छोटे नाबालिग भाई पर कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घुघली सीएचसी से गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि किसी पारिवारिक विवाद को लेकर दोनों नाबालिग भाइयों में जखीरा बाजार में विवाद हो गया। बड़े भाई की उम्र 16 और छोटे भाई की उम्र 15 वर्ष बताई जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर सनी पांडे गिरफ्तार

संग्रामपुर. सोमवार की भोर संग्रामपुर थाना क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के पैर में गोली लगी है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आगे की विधिक कार्रवाई शुरू की है।

एएमयू को छोटा पाकिस्तान बता डॉक्टर को धमकाने पर ऐक्शन, दो छात्र गिरफ्तार

अलीगढ़. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दोस्त से मिलने आए पीलीभीत के डॉक्टर को घेरकर अभद्रता करने और धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो एएमयू छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों की पहचान हुई थी। दोनों के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई की गई है। एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।आरोप है कि डॉक्टर को लड़कों ने घेर लिया था। विरोध करने पर उनका वीडियो बनाने लगे। हत्या की धमकी देते हुए कहा कि एएमयू मिनी पाकिस्तान है। तुझे काटकर दफना देंगे। बाद में डॉक्टर को प्रॉक्टर ऑफिस ले जाया गया। जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने डॉक्टर को बचाया और कैंपस के बाहर छोड़ा था। इस केस में 30 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

16 साल की बेटी की हत्याकर पुलिस में लिखाई गुमशुदगी की रपट, खुल गई पिता की करतूत

लखनऊ. राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके से 14 अप्रैल को लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिस पिता ने अपनी बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस के चक्कर काटे और शासन के पोर्टल (IGRS) तक गुहार लगाई, वही अपनी बेटी का हत्यारा निकला। आरोपी पिता ने अपने दोस्त के साथ मिलकर न केवल अपनी बेटी का गला घोंटा, बल्कि साक्ष्यों को छिपाने के लिए शव को पड़ोसी जिले बाराबंकी की नहर में फेंक दिया था।पुलिस तफ्तीश के मुताबिक, चिनहट निवासी आरोपी पिता ने अपने दोस्त के साथ मिलकर 14 अप्रैल को ही वारदात को अंजाम दे दिया था। 15 अप्रैल को बाराबंकी के बड़ुपुर इलाके में शारदा सहायक नहर किनारे एक किशोरी का शव मिला था, जिसके गले में दुपट्टा कसा हुआ था। शिनाख्त न होने के कारण पुलिस ने 72 घंटे बाद अंतिम संस्कार कर दिया।

जापान में 7.5 तीव्रता का भूकंप

- 3 मीटर तक सुनामी आने की आशंका
- लोगों से ऊंचे इलाकों में जाने की अपील

जापान में सोमवार को 7.5 रिक्टर तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद तटीय क्षेत्रों में सुनामी चेतावनी जारी कर दी गई है। जापान मौसम एजेंसी (JMA) के मुताबिक, इवाते प्रांत और होक्काइडो और आओमोरी के कुछ हिस्सों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई गई है।

भूकंप इवाते प्रिफेक्चर के सानरिकु तट के पास भारत के समयानुसार दोपहर 1:23 बजे आया। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में इसकी तीव्रता जापानी पैमाने पर ऊपरी 5 दर्ज की गई।

अधिकारियों ने लोगों से तुरंत ऊंचे इलाकों में जाने और तट तथा नदियों से दूर रहने की अपील की है। राहत और आपात सेवाएं हालात पर नजर बनाए हुए हैं और संभावित नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

रेल सेवा रोकी गई, एयरपोर्ट सेवाएं सामान्य

भूकंप के झटके रिकॉर्ड होने के बाद तोहोकू शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवा को टोक्यो स्टेशन और शिन-आओमोरी स्टेशन के बीच अस्थायी रूप से रोका गया। ऑपरेटर ने बताया कि सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया गया।

यामागाता और अकिता शिंकानसेन सेवाएं भी बंद की गईं। इवाते प्रिफेक्चर में सभी लोकल JR ट्रेन सेवाएं रोकी गईं। होक्काइडो में कुछ लोकल लाइनें भी बंद हैं।

शिन-चितोसे और सेंडाई एयरपोर्ट के ऑपरेटरों ने कहा कि भूकंप के बावजूद उनकी सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा।

कई जगह सुनामी लहरें टकराईं, पानी बढ़ने का अनुमान

जापान की मौसम एजेंसी के मुताबिक, इवाते के कुजी पोर्ट पर 80 सेंटीमीटर की सुनामी लहर टकराई और पानी बढ़ रहा है। मियाको पोर्ट पर 40 सेंटीमीटर की लहर आई। आओमोरी के हाचिनोहे पोर्ट पर 30 सेंटीमीटर लहर दर्ज हुई। होक्काइडो के उराकावा टाउन और मियागी के इशिनोमाकी आयुकावा में 20 सेंटीमीटर तक की लहरें दर्ज की गईं।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 23 लोगों की मौत

- इनमें 16 महिलाएं
- रेस्क्यू के दौरान दूसरा ब्लास्ट,
- बचाव में जुटे 13 लोग घायल

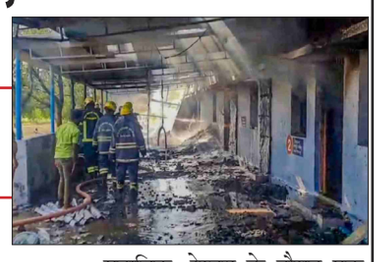

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में रविवार को एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ। पुलिस के मुताबिक, हादसे में 23 लोगों की मौत हुई है। 6 घायलों को ICU में भर्ती कराया गया है।

अब तक 19 शवों की पहचान हो चुकी है। इनमें 16 महिलाएं और तीन पुरुष हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में 30 मजदूर काम कर रहे थे।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, रेस्क्यू के दौरान एक और विस्फोट हुआ। इसमें पुलिस, फायर और रेस्क्यू टीम के 13 लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शुरुआती जांच में सामने आया कि विस्फोट फैक्ट्री के सामने वाले हिस्से में हुआ, जहां मजदूर बारूद के साथ काम कर रहे थे। प्रशासन ने FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निगरानी के लिए एक सीनियर आईएएस अधिकारी को तैनात किया गया है।

सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त, महिलाओं को पेंशन भी

लखनऊ. सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोषणा की है कि समाजवादी सरकार बनने पर प्रदेश के उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। महिलाओं को साल में 40 हजार रुपये पेंशन में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता स्वास्थ्य सेवाओं की बर्बादी, खाद की कमी से जूझ रही है। स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। अखिलेश ने पार्टी मुख्यालय में बुंदेलखंड सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर चल रही बिजली की ठगी के खिलाफ उत्तर प्रदेश की जनता के गुस्से का मीटर हाई है।

ममता की भबानीपुर समेत 55 सीटें संवेदनशील घोषित

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भबानीपुर समेत 55 सीटों को चुनाव आयोग ने खर्च के लिहाज से संवेदनशील घोषित किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि चुनाव आयोग को लगता है कि इन सीटों पर खर्च उम्मीदवारों की ओर से लिमिट से ज्यादा हो सकता है। यही नहीं चुनाव में खर्च पर निगरानी रखने के लिए चुनाव आयोग ने 100 पर्यवेक्षकों को भी नियुक्त किया है। ऐसा पहली बार है, जब इतनी बड़ी संख्या में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा 5 राज्यों में फिलहाल चुनाव हो रहे हैं और सबसे ज्यादा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति बंगाल में ही की गई है। चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि अवैध कैश, शराब, फ्री बांटने वाली वस्तुएं और मादक पदार्थों की पकड़ बंगाल में बढ़ी है। तमिलनाडु के बाद बंगाल इस मामले में दूसरे नंबर पर आ गया है। अब तक सभी चुनावी राज्यों को मिलाकर 1,281 करोड़ रुपये की खेप पकड़ी जा चुकी है। इनमें पहले नंबर पर तमिलनाडु है और फिर बंगाल का स्थान आता है। खबर है कि इस 1,281 करोड़ रुपये की सामग्री में से 105 करोड़ रुपये के बेशकीमती जवाहरात हैं तो वहीं 178 करोड़ रुपये का ऐसा सामान बरामद हुआ है, जिसे चुनाव में फ्री बांटा जाना था। अकेले बंगाल में ही 17 अप्रैल तक 430 करोड़ रुपये के सामान की बरामदगी हुई थी।

कोलकाता की 7 सीटें संवेदनशील

इसी तरह कोलकाता की 7 सीटों को इस कैटिगरी में डाल दिया गया है। इनमें से तीन सीटें उत्तर कोलकाता की हैं तो वहीं 4 सीटें दक्षिण कोलकाता क्षेत्र की हैं। वहीं भबानीपुर भी इस सूची में है। यह सीट फिलहाल बंगाल की सबसे हाईप्रोफाइल है। ऐसा इसलिए क्योंकि सीएम ममता बनर्जी और नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी के बीच यहां सीधा मुकाबला है। पिछली बार भी शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हरा दिया था। फिर ममता बनर्जी ने भबानीपुर से ही उपचुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

चुनाव आयोग ने तैनात किए 100 से ज्यादा पर्यवेक्षक

यही कारण है कि तमाम सीटों को चुनाव आयोग ने अब खर्च के लिहाज से संवेदनशील घोषित किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि आयोग को लगता है कि यदि निगरानी नहीं की गई तो फिर वोटरों को लुभाने के लिए अवैध तरीकों का इस्तेमाल बढ़ सकता है। आयोग ने जिन सीटों को संवेदनशील घोषित किया है, उनमें सीमांत क्षेत्र उत्तर 24 परगना, मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर दिनाजपुर शामिल हैं। इन इलाकों से बड़ी संख्या में कैश समेत अवैध चीजें बरामद की गई हैं। इसके अलावा 8 सीटें ऐसी हैं, जो बांग्लादेश सीमा से लगती हैं। इन सीटों में बिधाननगर, राजरहाट-न्यूटाउन, बारासात, मध्यमग्राम, भाटपारा, गैघाता, उत्तर बशीरहाट शामिल हैं।

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों-सुरक्षा बलों में झड़प, आंसू गैस छोड़ी

- मशाल रैली रोकने पर टकराव हुआ
- दो दिन पहले हुई हिंसा में 21 गिरफ्तार

मणिपुर में शटडाउन के बीच रविवार रात कई इलाकों में प्रदर्शन हुए। इंफाल ईस्ट के कोईरेंगेई, इंफाल वेस्ट के उरिपोक और कक्चिंग जिले में मशाल रैलियां निकाली गईं। कक्चिंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई।

भीड़ को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस, स्मोक बम और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया। झड़प में कई लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, 6 अप्रैल को ट्रोंग्लाओबी आवांग लेइकाई एक घर पर बम धमाके में दो बच्चों की मौत हुई थी। इन्हीं के न्याय के लिए प्रदर्शन हो रहे है। हालात को काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) तैनात की गई।

राजस्थान की पचपदरा रिफाइनरी में लगी आग

- कर्मचारियों को बाहर निकाला
- आज पीएम करने वाले हैं उद्घाटन

बालोतरा. बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले आग लग गई। सोमवार दोपहर 2 बजे रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (CDU) में आग लगी। धुएं का गुबार उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू कर दिया।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया है। कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आकलन किया जा सकेगा। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पाइप लाइन से आने वाला कच्चा तेल इसी यूनिट में आता है। इस यूनिट में क्रूड ऑयल रिफाइन होकर अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है।

बता दें... मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। रिफाइनरी के जिस हिस्से में आग लगी है, वह जगह सभा स्थल से 800 मीटर दूर है। इस सभा स्थल में कल पीएम मोदी संबोधित करने वाले हैं।

एक माह में दो बार मिलेगी पगार

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में युवा सरकार आने के बाद लगातार रिफॉर्म्स हो रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को बालेन सरकार के वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि अब से नेपाली सरकारी कर्मचारियों को एक महीने में दो बारे वेतन मिलेगी।

एजेंसी के मुताबिक नेपाली सरकार के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि 17 अप्रैल को बालेन सरकार ने इस फैसले पर मुहर लगाई है। अब से नेपाल के सिविल सेवकों, पुलिसकर्मियों और अन्य कर्मचारियों को हर 15 दिन के अंतर पर सैलरी मिलेगी।

उधमपुर में सड़क हादसा, 21 की मौत

- यात्री बोले- तेज रफ्तार बस का टायर फटा
- ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका; 100 मीटर नीचे गिरी

उधमपुर. जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस कगोत के पास सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गिरकर पलट गई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 से ज्यादा यात्री घायल हो गए।

हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बस में 50 यात्री सवार थे, जिनमें से ज्यादातर लोग रामनगर से उधमपुर में अपने रोजाना के काम पर जा रहे थे। 15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बाकी 6 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

घायलों के मुताबिक बस ओवरलोड थी, रफ्तार भी तेज थी। कगोत नाले के पास अचानक बस का टायर फट गया। इससे ड्राइवर उसे कंट्रोल नहीं कर सका। और बस सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर बताया कि हादसे का शिकार हुई बस पब्लिक ट्रांसपोर्ट की थी। घायलों का इलाज GMC ऊधमपुर में किया जा रहा है।

इधर, पीएम मोदी ने हादसे में मरने वाले लोगों के लिए संवेदना जताई और मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार के मुआवजे का ऐलान किया है।

हैदराबाद-हुबली फ्लाइट 2 घंटे लैंड नहीं हो सकी

हैदराबाद से हुबली जा रही Fly-91 एयरलाइन की एक फ्लाइट (IC3401) को खराब मौसम के कारण बेंगलुरु डायवर्ट करना पड़ा। यह घटना रविवार की है। जानकारी सोमवार को सामने आई।

फ्लाइट 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी। शाम करीब 4:30 बजे हुबली पहुंचना था, लेकिन खराब मौसम के कारण 2 घंटे हवा में रही और लैंड नहीं हो सकी।

एक घंटे हुबली के आसपास चक्कर लगाती रही। फिर एक घंटे बाद शाम 6:30 बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उतारा गया। फ्लाइट को बेंगलुरु से रात 11 बजे हुबली के लिए रवाना किया गया। इसमें 22 यात्री सवार थे।

इस दौरान फ्लाइट में यात्री बेहद घबराए नजर आए।

चारधाम यात्रा के पहले ही दिन 2 श्रद्धालुओं की मौत

- यमुनोत्री की चढ़ाई के दौरान बुजुर्ग की सांस फूली
- महिला घोड़े से गिरी

देहरादून. उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के पहले ही दिन दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दोनों घटनाएं उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम मार्ग पर हुईं।

मध्य प्रदेश से अपने पति के साथ यात्रा पर आई एक महिला की घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गिरने से महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया। वहीं, नासिक से आए एक बुजुर्ग श्रद्धालु की पैदल चढ़ाई के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। चढ़ाई करते समय उन्हें सांस लेने में गंभीर दिक्कत हुई। परिजन और प्रशासन की मदद से उन्हें तुरंत जानकीचट्टी स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हरदेव सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बुजुर्ग की मौत का कारण सांस संबंधी बीमारी और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी माना जा रहा है।

IPL- पंजाब की 5वीं जीत

- टीम पॉइंट्स टेबल में नंबर-1
- लखनऊ को 54 रन से हराया
- प्रियांश ने 93, कोनोली ने 87 रन बनाए

पंजाब किंग्स ने IPL में 5वीं जीत हासिल की। टीम ने रविवार के दूसरे मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराया। पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 विकेट से हराया। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी पंजाब ने 7 विकेट खोकर 254 रन बनाए। यह सीजन बेस्ट स्कोर रहा। जवाब में लखनऊ की टीम 5 विकेट पर 200 रन की बना सकी।

■ प्रियांश-कोनोली ने 182 रन जोड़े

प्लेयर ऑफ द मैच प्रियांश आर्या को 93 और कूपर कोनोली के 87 रन की मदद से पंजाब 250 पार पहुंचा। दोनों ने 80 बॉल पर 182 रन की पार्टनरशिप की। पंजाब ने 3 रन के स्कोर पर प्रभसिमरन सिंह का विकेट गंवा दिया था। यहां से प्रियांश ने कोलोनी के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। प्रियांश और कोनोली ने अपनी पार्टनरशिप में मिलकर 16 छक्के लगाए। PBKS से IPL इतिहास में तीसरी बार ही 150 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई। इससे पहले केएल राहुल और मयंक अग्रवाल ने 183 रन जोड़े थे। वहीं 2011 में एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श 206 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

■ पंत ने DRS नहीं लिया, विकेट का मौका गंवाया

दूसरे ओवर में पंजाब के कूपर कोनोली LBW होने से बच गए। मोहसिन खान की फुल लेंथ गेंद पर कोनोली फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन चूक गए और गेंद उनके पैड्स से टकरा गई। LBW की अपील हुई, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नॉटआउट करार दिया। पंत ने काफी सोचने के बाद भी रिव्यू नहीं लिया। रिप्ले से पता चला कि बॉल लेग स्टंप पर लग रही थी, अगर वे रिव्यू ले लेते तो विकेट मिल जाता। कोनोली ने इसका फायदा उठाया और 87 रन की पारी खेल दी।

■ मार्करम ने 32 रन का ओवर फेंका

13वें ओवर में कूपर कोनोली ने ऐडन मार्करम के खिलाफ लगातार 3 छक्के लगाए। उन्होंने पहली, दूसरी और तीसरी बॉल पर छक्के लगाए। इसी ओवर में प्रियांश आर्या ने आखिरी दो बॉल पर लगातार दो छक्के मारे। मार्करम के इस ओवर में 32 रन बने। मार्करम LSG के लिए एक ओवर में सबसे ज्यादा रन देने वाले बॉलर भी बन गए। उनसे पहले 2022 में रवि बिश्नोई ने RCB के खिलाफ 27 रन खर्च किए थे। यह प्लेऑफ का एलिमिनेटर मुकाबला था, जो कोलकाता में खेला गया था।

■ पंजाब ने सीजन का बेस्ट स्कोर

पंजाब किंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 254 रन बनाए। यह 19वें IPL सीजन का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले बेंगलुरु ने चेन्नई के खिलाफ 250 रन बनाए थे। RCB की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी 240 रन बना चुकी है। PBKS और RCB इस समय पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें हैं और दोनों ने ही पिछले सीजन का फाइनल खेला था।

विराट और अनुष्का संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे

- अक्षय तृतीया पर्व पर गुरु के साथ सत्संग किया
- दोनों की बाबा से यह पांचवीं मुलाकात

मथुरा. क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा सोमवार को वृंदावन पहुंचे। दोनों ने अक्षय तृतीया पर्व पर अपने गुरु संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना। दोनों ने आश्रम में निजी रूप से एकांतिक वार्तालाप भी किया। आश्रम द्वारा जारी वीडियो में विराट और अनुष्का भक्तों के बीच शांत भाव से बैठे नजर आए। दोनों ने बाबा के प्रवचन को ध्यानपूर्वक सुना।

आश्रम में विराट और अनुष्का बेहद साधारण वेशभूषा और सादगी भरे अंदाज में नजर आए। किसी वीआईपी तामझाम के बिना दोनों ने आम श्रद्धालुओं की तरह जमीन पर बैठकर काफी देर तक महाराज जी के सत्संग को सुना।

इस दौरान प्रेमानंद जी महाराज ने निर्मल मन और भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया- शुद्ध अंतःकरण ही ईश्वर प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है।

जैसे ही विराट कोहली के वृंदावन पहुंचने की खबर शहर में फैली, उनके प्रशंसकों की भारी भीड़ आश्रम के बाहर जमा हो गई। अपने पसंदीदा खिलाड़ी और अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए लोग घंटों सड़कों पर इंतजार करते दिखे।

मैच ब्रेक में आध्यात्मिक यात्रा

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेल रहे विराट कोहली ने अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर यह दौरा किया। हाल ही में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 13 गेंदों में 19 रन बनाए थे। आगामी मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने से पहले मिले ब्रेक का उन्होंने आध्यात्मिक यात्रा के लिए उपयोग किया।

विराट और अनुष्का पांचवीं बार संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे है। इससे पहले फरवरी में बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे। साल 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम पहुंचा था, जनवरी में बच्चों के साथ, मई में और फिर दिसंबर में।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बंगाल में झालमुड़ी खाई

- दुकानदार ने पूछा- प्याज खाते हैं
- मोदी बोले- प्याज खाता हूं, दिमाग नहीं

कोलकाता. पीएम मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे। झाड़ग्राम में उन्होंने रैली की। इस दौरान रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई।

झालमुड़ी बनाते हुए दुकानदार ने पूछा कि आप प्याज खाते हैं। पीएम ने जवाब दिया- हां प्याज खाता हूं बस दिमाग नहीं। यह सुनकर दुकानदार हंसने लगा।

पीएम ने दुकानदार से इस मुलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। साथ ही कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं।

दुकानदार बोला- कभी सोचा नहीं था पीएम दुकान पर आएंगे

पीएम जिस दुकान पर झालमुड़ी खाने गए थे। उस दुकानदार का नाम बिक्रम साव है, वह बिहार का रहने वाला है। अब अपने मां-पिता के साथ बंगाल में रहता है। बिक्रम ने बताया- मैंने कभी नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री मेरी दुकान में आकर झालमुड़ी खाएंगे। मैंने उनके लिए झालमुड़ी बनाई। मैंने पैसे लेने से मना किया उन्होंने जबरदस्ती पकड़ा दिए। खा कर बोले कि अच्छा बना है।

पीएम ने पढ़ाई के बारे में पूछा मैंने बताया कि गरीबी के चलते ज्यादा नहीं पढ़ सका। फिर पीएम ने कमाई के बारे में पूछा- मैंने कहा कि 1000-1200 रुपए कमा लेता हूं। वे करीब 10 मिनट तक दुकान में रुके, उन्होंने राजनीति की कोई बात नहीं की।

संक्षेप...

भिवंडी के 51 स्कूलों में CCTV लगाने की तैयारी

भिवंडी. भिवंडी-निज़ामपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के बिजली विभाग ने शहर के 51 स्कूल भवनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए लगभग 75 लाख रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव को मंज़ूरी और फंडिंग के लिए जिला योजना समिति को भेजा गया है। हालांकि, स्कूलों में सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति को लेकर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

राज्य सरकार के निर्देशों के बावजूद, जिनमें स्कूलों में सीसीटीवी सर्विलांस अनिवार्य करने की बात कही गई है, भिवंडी के कई सिविक स्कूल अभी भी बुनियादी सुरक्षा ढांचे के बिना संचालित हो रहे हैं। कैमरे और सुरक्षा कर्मियों की कमी को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है, क्योंकि इससे हजारों छात्रों और स्कूल संपत्तियों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है।

'NRC कंपनी की जमीन पर चल रहे प्रोजेक्ट्स का पानी सप्लाई तुरंत बंद करें'

केडीएमसी महापौर का आदेश

कल्याण. कल्याण के मोहने-आंबिवली स्थित एनआरसी कंपनी पर संपत्ति कर के रूप में 378 करोड़ रुपये बकाया हैं। यह बकाया वसूला क्यों नहीं गया? बकाया होने के बावजूद एनआरसी की जमीन पर चल रहे प्रोजेक्ट्स को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट और निर्माण अनुमति किस आधार पर दी गई? ऐसा तीखा सवाल बीजेपी, शिंदे सेना और उद्धव सेना के नगरसेवकों ने सोमवार को हुई महासभा में उठाया। इस मुद्दे पर महासभा स्थगित करने की मांग भी की गई।

इस पर महापौर हर्षाली चौधरी ने आदेश दिया कि एनआरसी की जमीन पर चल रहे प्रोजेक्ट्स का पानी सप्लाई तुरंत बंद किया जाए। साथ ही 378 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने का प्रस्ताव भी महासभा में पारित किया गया।

बीजेपी नगरसेविका उपेक्षा भोईर ने इस मुद्दे पर महासभा स्थगित करने की मांग की, जबकि बीजेपी नगरसेवक दीपेश म्हात्रे ने सुझाव दिया कि कंपनी के सामने बैंड-बाजा बजाकर बकाया वसूली की जाए। उद्धव सेना के गुटनेता उमेश बोरगांवकर ने सवाल उठाया कि अदानी कौन है? उसके खिलाफ कार्रवाई करने से प्रशासन क्यों डरता है? वहीं नगरसेवक राहुल कोट ने विरोध जताते हुए सभागृह में बैठने की कोशिश की, जिसका शिंदे सेना के नगरसेवकों ने विरोध किया।

शिंदे सेना के नगरसेवक रोहन कोट ने कहा कि कंपनी बंद होने के बाद वहां का करोड़ों रुपये का कबाड़ बेचा गया, जिससे महापालिका की बकाया राशि वसूली जा सकती थी, लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कबाड़ बिक्री की अनुमति कैसे दी गई। शिंदे सेना के नगरसेवक सचिन पोटे और सभागृह नेता वरुण पाटील ने तुरंत कार्रवाई की मांग की। उपमहापौर राहुल दामले ने सुझाव दिया कि इस मामले पर विचार कर ठराव पारित किया जाए।

हालांकि, एनआरसी कंपनी ने जमीन अदानी समूह को बेची है, लेकिन आज भी वहां कंपनी का नाम एनआरसी ही दर्ज है, इसलिए बकाया की मांग एनआरसी कंपनी से की जा रही है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट और एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) में लंबित है। महापालिका द्वारा तय किए गए कर दर को कंपनी ने स्वीकार नहीं किया है और इस संबंध में कंपनी ने कल्याण के निचली अदालत में 22 से 25 मामले दर्ज किए हैं। इन सभी मामलों के निपटारे के बाद ही सुप्रीम कोर्ट अंतिम निर्णय दे सकता है, ऐसी जानकारी अतिरिक्त आयुक्त योगेश गोडसे ने दी।

अदानी समूह बना रहा लॉजिस्टिक पार्क

साल 2009 में एनआरसी कंपनी ने आर्थिक संकट का हवाला देते हुए कंपनी बंद कर दी थी। कंपनी के कामगारों का बकाया चुकाए बिना ही कंपनी की जमीन अदानी उद्योग समूह को नीलामी में दे दी गई। इस जमीन पर अदानी समूह द्वारा लॉजिस्टिक पार्क बनाया जा रहा है। एनआरसी कंपनी से संपत्ति कर की 378 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूल किए बिना वहां निर्माण की अनुमति और एनओसी कैसे दी गई, इस पर सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि इसमें महापालिका के अधिकारियों द्वारा गड़बड़ी की गई है और मामले की जांच होनी चाहिए।

D प्रभाग कार्यालय की अवैध फेरीवाले, ठेलों पर कार्रवाई

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के प्रभाग 5-डी के अंतर्गत अनधिकृत फेरीवाले, हाथगाड़ियां और टपरियों पर आज बड़ी कार्रवाई की गई। यह अभियान सहायक आयुक्त उमेश यमगर के मार्गदर्शन में चलाया गया। चक्की नाका, गावदेवी चौक, चेतना स्कूल परिसर, जिया वाइन्स, 100 फुटी रोड, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट, विजयनगर से आमराई सहित तिसगांव नाके पर नारियल विक्रेता की हाथगाड़ी पर भी कार्रवाई कर संबंधित फुटपाथ और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया गया। सड़क पर अनधिकृत रूप से खड़ी हाथगाड़ियां, स्टॉल और टपरियों को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इस कार्रवाई में बिक्री के लिए रखा गया सामान भी जब्त किया गया। इस अभियान में अधीक्षक अविनाश ठाकरे, नितीन चौधरी, जयेश कालन, पथक प्रमुख उमेश जाधव, जेम्स कदम तथा पुलिस और महानगरपालिका के कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल थे। कार्रवाई के दौरान कुल 69 हाथगाड़ियां, 6 टपरियां और 5 लोहे के स्टैंड हटाए गए। इस सख्त कार्रवाई के कारण कई स्थानों के सड़क और फुटपाथ अतिक्रमण मुक्त हुए हैं, जिससे नागरिकों में संतोष देखा जा रहा है। महानगरपालिका ने आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी देते हुए अनधिकृत व्यवसाय करने वालों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

5 लाख तक का मुफ्त इलाज

ठाणे में 1.54 लाख मरीज़ों को राहत

आयुष्मान भारत और महात्मा फुले स्कीम का असर

ठाणे. अप्रैल 2024 से मार्च 2026 के समय में, केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और राज्य सरकार की महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना की मिली-जुली हेल्थ स्कीम के तहत ठाणे ज़िले में 1,54,874 मरीज़ों का मुफ़्त इलाज किया गया है, और सिविल अस्पताल में भी 240 मरीज़ों का इलाज हुआ है।इन स्कीम के तहत ठाणे ज़िले में कुल 155 अस्पताल चल रहे हैं, जिनमें 40 सरकारी और 115 प्राइवेट, साथ ही 32 प्राइमरी हेल्थ सेंटर और 126 अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर शामिल हैं। हालांकि कई लोग महंगे प्राइवेट इलाज के डर या जानकारी की कमी के कारण सरकारी सिस्टम से मुंह मोड़ते दिख रहे हैं।सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े के गाइडेंस में, मरीज़ों को अच्छा इलाज दिया जाता है, इसलिए सिविल अस्पताल आम जनता, मज़दूरों, ज़रूरतमंदों और आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों के लिए सबसे बड़ा सहारा बन रहा है।जिला कोऑर्डिनेटर डॉ. रविंद्र जगतकर ने बताया कि सरकारी स्कीमों की वजह से यहाँ कई गंभीर बीमारियों का मुफ़्त इलाज हो रहा है।स्वास्थ्य हर नागरिक का बुनियादी हक़ है, लेकिन स्कीमों का फ़ायदा न उठाना सबसे बड़ा नुकसान है। आयुष्मान कार्ड के ज़रिए लाखों रुपये का इलाज मुफ़्त में मिल सकता है, लेकिन बहुत से लोग अभी भी इसके लिए ज़रूरी प्रोसेस, जैसे मोबाइल ऐप से रजिस्ट्रेशन, आधार वेरिफ़िकेशन और e-KYC के बारे में नहीं जानते हैं।

स्कीमों का लाभ उठाने की अपील

सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के तहत आम जनता को अच्छी क्वालिटी का इलाज मुफ़्त में मिलता है। पात्र नागरिकों को पहल करनी चाहिए और आयुष्मान कार्ड बनवाना चाहिए और इन स्कीमों का पूरा फ़ायदा उठाना चाहिए।

–डॉ. कैलाश पवार
(जिला सिविल सर्जन ठाणे)

मुफ्त इलाज मिलने से मिली राहत

पिछले कुछ दिनों से, मैं अम्बिलिकल हर्निया से परेशान था। मुझे आयुष्मान भारत स्कीम के तहत सिविल अस्पताल में समय पर और अच्छा इलाज मिला। बिना किसी पैसे के बोझ के इलाज मिलने से मुझे राहत मिली।

–सुनील पांडे, नई मुंबई

लोकमान्यनगर में फिर से चालू किए गए कुओं का लोकार्पण

R.O. प्लांट के साफ़ पानी से राहत

ठाणे. शहर के बढ़ते शहरीकरण और उससे होने वाली पानी की कमी के असरदार समाधान के तौर पर, लोकमान्यनगर पाड़ा नंबर 1 और 2 के साथ-साथ उन्नति गार्डन इलाके के पुराने कुओं को फिर से चालू किया गया है, और उन पर R.O. प्लांट लगाकर लोगों को साफ़ पानी देने की एक बड़ी पहल की जा रही है। इस पहल का उद्घाटन परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने किया।शिवसेना ठाणे शहर प्रमुख और नगरसेवक राजेंद्र फाटक,नगरसेवक राकेश शिंदे, नगरसेविका शीतल धमाले, सुलेखा चव्हाण, जयश्री डेविड,जल विभाग अधिकारी कुलकर्णी, शिवसेना विधानसभा सचिव संदीप डोंगरे, विभाग प्रमुख भगवान देवकाटे, रामचंद्र गुरव, संतोष धमाले, देवेंद्र सालवी के साथ-साथ कई कार्यकर्ता और नागरिक इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

इस मौके पर बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा कि ठाणे शहर में कई कुएं समय के साथ बंद हो गए थे या कचरे और सीवेज से खराब हो गए थे। इस वजह से, पानी का कुदरती सोर्स खत्म होने की कगार पर था। इसे ध्यान में रखते हुए, उस समय के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समय में, ठाणे और मीरा-भायंदर शहर के 46 कुओं को फिर से चालू करने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का फंड दिया गया था। इस फंड से, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के ज़रिए साइंटिफिक तरीके से सफाई करने, गाद निकालने और बचाव के तरीके अपनाकर उन्हें ठीक करने का काम चल रहा है।

साथ ही, इन कुओं पर R.O. प्लांट लगाने का काम भी चल रहा है। अभी, जब गर्मी का मौसम बढ़ने की वजह से मनपा से पानी की सप्लाई कम होती है या टेक्निकल वजहों से रुक जाती है, तो लोगों को बहुत परेशानी होती है। ऐसे में, फिर से चालू किए गए कुएं और उन पर लगाए गए R.O. प्लांट लोगों के लिए बड़ी राहत होंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत, कुओं में पानी के कुदरती सोर्स को बचाया जा रहा है और सीवेज के मिलने को रोका जा रहा है। कुओं को बचाने के लिए जाल लगाना, दीवारों को मजबूत करना और रेगुलर सफाई जैसे उपाय किए जा रहे हैं। इससे कुओं का पानी साफ और सुरक्षित रहेगा।

इस पहल से अप्रैल-मई के महीनों में होने वाली पानी की भारी कमी को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी, और नागरिकों को पूरे साल साफ पानी मिलने का रास्ता साफ हो गया है, ऐसा मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा।46 कुओं में से 12 कुओं का काम पूरा हो चुका है और हर हफ्ते 3 से 4 कुओं को फिर से शुरू करने का इरादा है।

ठाणे के नौपाड़ा और भायंदरपाड़ा में आग लगने की दो घटनाएं

ठाणे. सोमवार सुबह ठाणे के नौपाड़ा इलाके में प्राची फैशन स्टोर में भीषण आग लग गई। करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। रविवार रात को भायंदरपाड़ा इलाके के लोढ़ा स्प्लेंडोरा में इग्निस सोसाइटी में रात करीब 9:45 बजे आग लग गई। दोनों घटनाओं में किसी के घायल होने या मारे जाने की खबर नहीं है, लेकिन पैसे का नुकसान हुआ है,यह आपदा प्रबंधन ने बताया।मनपा आपदा प्रबंधन को रात करीब 9:45 बजे इसकी जानकारी मिली। इस घटना की जानकारी मिलते ही कासरवडावली पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने रात करीब 10:30 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस आग में फ्लैट में रखे डॉक्यूमेंट्स, बेड, सोफा, कंप्यूटर, मोबाइल, घर का सामान और दूसरा सामान जल गया, जिससे काफी नुकसान हुआ। संबंधित फ्लैट के मालिक शांतनु जोशी हैं, और जब आग लगी तो फ्लैट बंद था। कहा जा रहा है कि रहने वाले बाहर चले गए थे, इसलिए एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने का कारण अभी साफ नहीं है, लेकिन इस समय दो फायर इंजन, एक रेस्क्यू गाड़ी और एक जंबो वॉटर टैंकर को बुलाया गया था। यह जानकारी आपदा प्रबंधन सेल ने दी।आग लगने की दूसरी घटना नौपाड़ा के गावदेवी मंदिर इलाके में पैराडाइज सोसाइटी के पास एक 9 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर लगभग 2500 sq. ft. एरिया की एक दुकान में हुई।आपदा प्रबंधन सेल को सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, आपदा प्रबंधन टीम, नौपाड़ा पुलिस, महावितरण के कर्मचारी और दूसरी एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। उन्होंने सुबह करीब 8:40 बजे आग पर काबू पा लिया। इस आग में पूरी दुकान जलकर खाक हो गई और शुरुआती जानकारी है कि भारी फाइनेंशियल नुकसान हुआ है। उक्त दुकान चेतन बोरिचा की है। इसके बाद तीन फायर इंजन, दो पानी के टैंकर, एक रेस्क्यू गाड़ी और एक JCB मशीन बुलाई गई।

मुझे लोग एक्टर नहीं समझते -अर्चना

अर्चना ने अपना दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'मैं कितनी भी कोशिश कर लूं, मैं फिल्ममेकर्स को यकीन नहीं दिला पा रही हूं। कोई भी मुझे रोल ऑफर नहीं कर रहा है। उन्हें इस बात का पूरा यकीन नहीं है कि मैं एक एक्टर हूं। उन्हें अब भी लगता है कि मैं कोई ऐसी इंसान हूं जो बस कुर्सी पर बैठकर हंसती रहती है।' अर्चना पूरन सिंह की फिल्म 'टोस्टर' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान अर्चना ने बताया कि उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलना बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'जब कपिल शर्मा का शो टीवी पर आता था तब हम हर साल 100 एपिसोड शूट करते थे। उन दिनों मेरे पास एक कॉल आया। उन्हें कहा कि फिल्म की शूटिंग स्कॉटलैंड में होगी और 25 दिन चलेगी। मेरे लिए कपिल के शो की शूटिंग छोड़कर कहीं जाना मुमकिन नहीं था इसलिए मुझे मना करना पड़ा।'

अर्चना बोलीं, 'अब शो नेटफ्लिक्स पर आता है और हम सीजन वाइज शूट करते हैं इसलिए अब मेरे पास समय है। मुझे पूरे साल भारत में भी रहने की जरूरत नहीं पड़ती तो अब मैं दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए ट्रैवल कर पाती हूं।'

कैसे मिला 'टोस्टर' का ऑफर?

अर्चना ने कहा, 'राजकुमार ने मेरा काम 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा था। 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में हमने पहली बार साथ का काम किया था तो उन्होंने ने ही मुझे 'टोस्टर' के लिए रिकमेंड किया। जिस तरह उस फिल्म की वजह से 'टोस्टर' मिली, उसी तरह मुझे उम्मीद है कि 'टोस्टर' की वजह से और फिल्में मिलेंगी।'

बता दें, अर्चना पूरन सिंह ने नसीरुद्दीन शाह के साथ फिल्म 'जलवा' (1987) में लीड रोल प्ले कर पहली बार लाइमलाइट ली थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें सपोर्टिंग रोल्स ही मिले। कभी वह 'बाज' और 'जज मुजरिम' जैसी फिल्मों में आइटम सॉन्ग करती नजर आईं।

मनपा नगरसेवकों को वितरण किया गया पहचान चिन्ह

ठाणे. मनपा के नए चुने गए नगरसेवकों को आज हुई जनरल मीटिंग में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने 'नगरसेवक पहचान चिन्ह' बांटा, जो मनपा का निशान है। महापौर शर्मिला पिंपलोलकर की इस पहल से नगरसेवकों की पिछले कई सालों से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। जैसे महाराष्ट्र लेजिस्लेटिव असेंबली और लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्यों के बैच बांटे जाते हैं, वैसे ही शिवसेना ग्रुप लीडर पवन कदम ने महापौर को लेटर लिखकर मांग की थी कि ठाणे मनपा के सदस्यों को उनके आइडेंटिटी कार्ड के साथ एक आइडेंटिटी बैच दिया जाए, जिस पर लिखा हो कि वे नगरसेवक हैं।महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने इस बारे में आयुक्त सौरभ राव को लेटर लिखकर ठाणे मनपा के सभी सदस्यों को मनपा का आइडेंटिटी बैच देने के बारे में बताया था।

इसलिए आयुक्त सौरभ राव ने तुरंत नोटिस लिया और संबंधित डिपार्टमेंट को मनपा के नगरसेवकों को बैज देने का ऑर्डर दिया। इसलिए, आज आम सभा में महापौर शर्मिला पिंपलोलकर, उपमहापौर कृष्णा पाटिल, आयुक्त सौरभ राव ने सभी नगरसेवकों को यह पहचान बैच बांटा। इस मौके पर अतिरिक्त 1 संदीप मालवी,अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, सभी पार्टी ग्रुप के नेता मौजूद थे। पिछले साढ़े तीन साल से मनपा में एडमिनिस्ट्रेटिव राज था। जनवरी 2026 में हुए चुनाव में ठाणे मनपा में नए नगरसेवकों की संख्या ज़्यादा है। नगरसेवक काम के लिए लगातार मनपा के हेडक्वार्टर के साथ-साथ वार्ड कमेटी ऑफिस भी जाते रहते हैं। शिवसेना ग्रुप लीडर पवन कदम ने महापौर शर्मिला पिंपलोलकर को लिखे लेटर में कहा था कि मनपा के निशान वाला नगरसेवक पहचान बैच काम के लिए सरकारी और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस आते-जाते समय सदस्यों की आसान पहचान और ज़्यादा असरदार एडमिनिस्ट्रेटिव तालमेल के लिए काम आएगा। इस बीच, नगरसेवक भरत चव्हाण ने भी महापौर को इस प्रपोज़ल के बारे में बताया था।

बिना इजाज़त चल रहे स्कूलों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई

भिवंडी. भिवंडी के ग्रामीण इलाकों में सरकार से इजाज़त लिए बिना चल रहे अनधिकृत स्कूलों के खिलाफ़ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. यह जानकारी गट शिक्षणाधिकारी डॉ. विशाल पोटेकर (पंचायत समिति भिवंडी) ने दी है। डॉ. पोटेकर ने कहा कि कुछ स्कूल सरकार से बिना किसी इजाज़त के चलाए जा रहे हैं. ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के भविष्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए, उन्होंने साफ किया कि अभिभावकों को बहुत सावधान रहने की ज़रूरत है। प्रशासन द्वारा बताई गई बिना इजाज़त चल रहे स्कूलों की लिस्ट इस तरह हैः लियो हाई स्कूल, काल्हेर नेशनल इंग्लिश स्कूल, दापोड़े श्री. चैतन्य टेक्नो स्कूल, सोनाले पाठशाला कोचिंग क्लास, मिठपाड़ा अग्निमाता इंग्लिश स्कूल, पिंपलास मिन्हाज नेशनल इंग्लिश स्कूल, गोरसाई सुगरा बीबी स्कूल, तलवली द विनर्स इंग्लिश स्कूल, काम्बे है.

यह भी चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इन स्कूलों के खिलाफ और सख्त एक्शन लिया जाएगा। इस बीच, इन्हें दूसरे मान्यता प्राप्त स्कूलों में एडजस्ट करने का प्रोसेस शुरू किया जाएगा ताकि इन स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को परेशानी न हो।

पंचायत समिति भिवंडी एजुकेशन डिपार्टमेंट ने पेरेंट्स से साफ अपील की है कि वे अपने बच्चे को किसी भी नए स्कूल में एडमिशन दिलाने से पहले संबंधित स्कूल की सरकारी मान्यता चेक कर लें।

वर्तकनगर में नेत्र जांच केंद्र और वागले में पशु चिकित्सा विभाग का जीर्णोद्धार

ठाणे. मनपा की ओर से वर्तकनगर में स्वर्गीय निर्मलादेवी चिंतामन दिघे अस्पताल का जीर्णोद्धार, लोकमान्य तिलक नर्सिंग होम में नेत्र जांच व उपचार केंद्र और वागले इस्टेट में जीर्ण-शीर्ण पशु चिकित्सा सर्जरी विभाग में 88 नए पिंजरों का उद्घाटन हाल ही में महापौर शर्मिला पिंपोलकर के हाथों हुआ।इस अवसर पर विरोधी पक्ष के नेता अशरफ यू. शानू पठान, संध्या मोरे, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल आदि उपस्थित थे। कहा गया कि नागरिकों के स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण यह पहल समाज के लिए उपयोगी होगी।आंखें मानव शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं और अगर सही समय पर जांच और इलाज न किया जाए तो इससे दृष्टि दोष हो सकता है।

इस पहल के लिए रोटरी क्लब ऑफ़ ठाणे स्काईलाइन का दिया गया सहयोग कीमती है। इस सेंटर के ज़रिए नागरिकों को मॉडर्न आँखों की जाँच, सही इलाज और ज़रूरी गाइडेंस दी जाएगी।वागले एस्टेट में खराब हालत वाले वेटेरिनरी डिपार्टमेंट के नीचे आवारा कुत्तों के लिए 60 से 70 पिंजरे थे, वहीं उस सेंटर को ठीक करके नए 88 पिंजरे शुरू किए गए।

आम सूचना

मैं श्रीमती शारदा धर्मेंद्र यादव सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, एमआयडीसी रोड, तानाजी नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014214600) उक्त प्रॉपर्टी श्री सागर सिद्धाराम मरबे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 13.4.2026 सी.नं. 1171/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती शारदा धर्मेंद्र यादव

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099